HydroGel

केबीसी हाइड्रोजैल एक पौटेशियम आधारित आपस में एक दूसरे को जोड़ने वाला पॉलीमर बहुलक है जो प्रभावी ढ़ंग से मिट्टी की पारगम्यता, घनत्व, बनावट, वाष्पीकरण तथा मिट्टी से पानी छानने की मात्रा को कम करता है। केबीसी हाइड्रोजैल के द्वारा सिंचाई (पानी लगाना) की संख्या और संघनन की प्रवृति कम हो जाती है। केबीसी हाइड्रोजैल का प्रयोग मिट्टी का कटाव और पानी का बहाव कम करता है और जमीन में नमी बनाये रखता है, केबीसी हाइड्रोजैल यह मिट्टी के कणों के बीच वायु तथा मिट्टी में उपयोगी सूक्ष्म जीवों की सक्रियता को बढ़ाता है। केबीसी हाइड्रो जैल शुष्क जगहों में विशेषकर रेतीली मिट्टी में प्रयोग करने से उस जगह की जल धारण करने की क्षमता बढ़ने के साथ-साथ प्रमुख रुप से पौधे की जड़ों का विकास होता है। यह अपने में अवशोषित पानी को जरुरत पड़ने पर धीरे-धीरे पौधों को देता रहता है। केबीसी हाइड्रोजैल के कणों को छोटे मोटे पानी के भण्डार के रुप में मिट्टी में डालकर प्रयोग कर सकते है। जब पौधे की जड़ों को पानी की आवश्यकता होगी उस केबीसी हाइड्रोजैल के पानी को परासरणीय दाबांतर के द्वारा जड़ें अवशोषित कर लेंगी। केबीसी हाइड्रोजैल नियंत्रित रुप से पानी छोड़ने का कार्य करता है। साथ में कुछ पोषक तत्वों को अपने में देर तक बनाए रखता है और उन्हें अपघटित (टूटने/घुलने) नहीं होने देता। परिणाम स्वरुप पौधे को कुछ खाद भी प्राप्त हो जाती है, जिससे पौधे की वृद्धि एवं उत्पादन क्षमता दर बढ़ जाती है। केबीसी हाइड्रोजैल को बीज के भण्डारण के लिए भी (जो बीजों के अंकुरण एवं नन्हें पौधों के रोपण) बीज आवरण, जड़ों के साथ डुबाकर और पौधे को उपयुक्त घटक को कुशल रुप से कार्य करने हेतु नियंत्रित तरीके से कार्य करने के लिए प्रयोग कर सकते है।

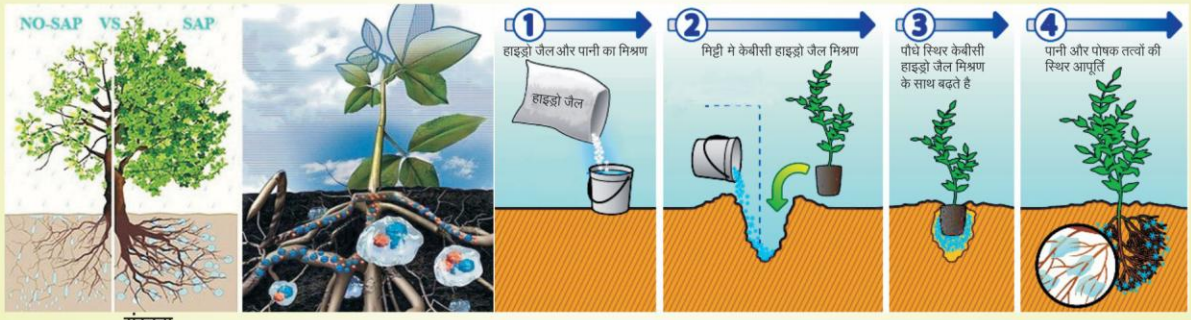

संरचना

विशेषता	विशिष्ट मूल्य
रूप व स्वरूप	सफेद दानेदार
गंध	गंधहीन
पी.एच.	8.0 ± 1.0
जल में घुलनशीलता	जल में घुलकर फूल जाता है।
विषाक्ता (चूहे में मौखिक ल. दी. 50)	5000 (अविषाक्त)
मिट्टी में प्रभावी	3 से 5 वर्ष

पानी बचाये - पैदावार बढ़ाये

समझदार किसानों की पहली पसंद

विशेषताएं एवं लाभ

- यह मिट्टी के जल धारण करने की क्षमता बढ़ाता है जिससे बार बार सिंचाई नहीं करनी पड़ती है अर्थात् कम बार सिंचाई से कार्य चलता है।
- यह मिट्टी से होने वाले जल व पोषक तत्वों की हानि को रोकता है।
- यह मिट्टी मे वाष्पीकरण से होने वाले दुष्प्रभाव को कम करता है।
- यह मिट्टी में वायु प्रवाह बनाकर भौतिक गुणों की वृद्धि करता है।
- इसके प्रयोग से मिट्टी शुष्क, कठोर व दरारें नहीं पड़ती है जिससे मित्र जीवों की संख्या मे बढ़ोतरी होती है।
- मिट्टी का कटाव या जल बहाव रोकता है।
- अधिक गर्मी व अधिक सर्दी के प्रभाव को कम करता है।
- यह जड़ों को जल एवं पोषक तत्व देकर पौधों की वृद्धि करता है।
- यह संघनन की विचारधारा को कम करता है।
- विशेषकर शुष्क क्षेत्र मे पौधों को अच्छा रखता है।
- लंबे समय तक वातावरण मे सूखा और प्रदूषित भूजल से होने वाले संक्रमण से बचाव करता है
- खाद के साथ मिलाने पर यह निरंतर रुप से लम्बे समय तक जड़ो को पोषक पदार्थ प्रदान करता है।
- यह पानी, सभी खाद कवकनाशी आदि को अपने मे अवशोषित करता है एवं पौधों मे आवश्यक रुप से धीरे धीरे देता रहता है।

खुराक एवं प्रयोग

- जड़ को डुबोना, नन्हें पौधे के रोपण के समय जड़ को हाइड्रोजैल विलयन म15 मिनट तक डुबोकर लगाने से जड़े नष्ट नहीं होती। 1 किलो हाइड्रोजैल को 150-200 लीटर पानी मे मिलाकर जीवाणुनाशी के साथ बिना घोलकर उपयोग करे।
- बागवानी मे हाइड्रोजैल रोपण के समय मे झटाको से होने वाली हानि को रोकता है और पौधों की मृत्यु दर को कम कर जड़ो का विकास करता है। जिसके लिए जड़ से तीन तीन गुणा ज्यादा बड़ा गढ्ढा खोदे और 50ग्राम प्रति पौधा गढ्ढे मे डाले और मिट्टी मे मिलायें, उसमे पानी डालने के बाद उसमें पौधा रोपण करे।
- सामान्य पौधे जैसे की सभी फसलों व सब्जियों, आदि के लिए 2-6 किलो हाइड्रोजैल प्रति एकड़ की दर से उपयोग करने से यह नन्हें पौधो की वृद्धि की दर को बढ़ाता है व विकास करता है।

हाइड्रोजैल उपयोग के सभी तरीकों के लिए कृपया कम्पनी प्रतिनिधि से सम्पर्क करे।